

मास्टर प्लान लिखेगा नई इबारात

विश्व प्रसिद्ध आध्यात्मिक स्थल श्री हरिमंदिर साहिब के दर्शन के लिए देश विदेश के पर्यटकों को गुरु नगरी में विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलें इस पर केवल पंजाब सरकार चिंतन नहीं कर रही। गुरु नगरी विकास की पटरी पर दौड़े इसका दर्द विदेशी पर्यटक भी समझने लगे हैं। इसी लिए कनाडा की 'यूनिवर्सिटी आफ फ्रेजर वैली' से आए विद्यार्थियों व अध्यापकों ने भी गुरु नगरी के विकास पर डीसी केएस पन्नू से प्रश्न पूछे व उन्हें विकास पर सुझाव भी दिए। जीएनडीयू के स्कूल आफ सोशल साइंस द्वारा 'अमृतसर की शहरी योजनाबंदी : चुनौतियां व संभावना' विषय पर आयोजित सेमिनार में अध्यापकों, छात्रों व विदेशी पर्यटकों ने भाग लिया। सेमिनार पर पेश है **अशोक नीर** की रिपोर्ट...

- ◆ कनाडाई अध्यापकों व छात्रों ने विकास पर डीसी को कटघरे में खड़ा किया
- ◆ ट्रैफिक मुद्दे पर डीसी ने लोगों को ठहराया दोषी

गुरु नगरी के विकास की नई इबारात अब मास्टर प्लान से लिखी जाएगी। अव्यवस्थित विकास ने गुरु नगरी के लोगों के लिए कई मुसीबतें खड़ी कर दी हैं। कई समस्याओं से घिरे पंद्रह लाख की आबादी वाले इस शहर के लोग अब 'क्वालिटी लाइफ' की चाहत रख रहे हैं। उधर, देश विदेश से श्री हरिमंदिर साहिब में आने वाले पर्यटकों को एलिवेटेड रोड के माध्यम से ट्रैफिक जाम से नहीं जूझना पड़ेगा। सारागढ़ी पार्किंग अमृतसर के आसपास के यातायात को राहत देगी। गुरु नगरी में आगामी तीन चार माह के भीतर 200 सरकारी बसें ट्रांसपोर्टेशन का बड़ा आधार बनेंगी। दस से पंद्रह वर्ष तक चल चुकी स्कूली बसों का सरकारी बसें बदलाव बनेंगी।

गुरु नगरी में आने वाला पर्यटक 'वन



जीएनडीयू में आयोजित सेमिनार में डीसी केएस पन्नू कनाडा से आए विदेशी विद्यार्थियों व अध्यापकों के साथ डिबेट करते हुए। साथ बैठे हैं प्रो. गुरनाम सिंह, सतिंदर बैस व अन्य। (दाएं) उपस्थित विद्यार्थी व अध्यापक।



जागरण

नाइट टूरिस्ट' के स्थान पर तीन दिन तक रहे इसकी व्यवस्था जिला प्रशासन करने के लिए गंभीर कदम उठा रहा है। डीसी केएस पन्नू के अनुसार 13 अप्रैल 2010 में जलियांवाला बाग में लाइट एंड सार्ड प्रोग्राम शुरू होगा। बालीवुड स्टार अमिताभ बच्चन भी इस अवसर पर उपस्थित होंगे। अटारी से लेकर अमृतसर तक की चार मार्ग का निर्माण व गुरु नगरी

के सभी प्रोजेक्ट पूरे होने पर पर्यटकों को राहत मिलेगी। सेमिनार के दौरान कनाडा यूनिवर्सिटी से आए छात्रों व अध्यापकों ने डीसी केएस पन्नू से पूछा कि यदि आटो रिक्शा चालकों का कारोबार बंद हो गया तो वह भिखारी नहीं बनेंगे। इस पर डीसी ने कहा कि आटो रिक्शा चालकों के पास अन्य काम करने के कई विकल्प हैं। एक अन्य अध्यापिका के सवाल का

जवाब देते हुए डीसी ने कहा कि ऐसा कोई कानून नहीं है कि निजी इमारतों को गिराने से रोका जा सके। चाहे यह इमारतें पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं, लेकिन यह सभी इमारतें निजी संपत्ति हैं। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में गुरु नगरी की ट्रैफिक व्यवस्था कैसे सुधरेगी के बारे में डीसी ने कहा कि गुरु नगरी का समृद्ध व शिक्षित वर्ग ही ट्रैफिक नियमों को तोड़

रहा है। ट्रैफिक नियमों का पालन का जज्बा जब तक भीतर से नहीं होगा। ट्रैफिक व्यवस्था सुधारना बेहद कठिन है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में डीसी से पूछा गया कि विकास का काम सिविल लाइन क्षेत्र में होता है। कोट खालसा व सुल्तानवंड को ध्यान में नहीं रखा जाता। इस पर डीसी ने कहा कि मास्टर प्लान में शहर के सामूहिक विकास की बात होगी।